This question paper contains 6 printed pages.

6872 *Your Roll No.* .....

LL.B. / III Term G

Paper LB-3032/3034 (OC) :

PRIVATE INTERNATIONAL LAW

Time : 3 hours *Maximum Marks* : 100

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

NOTE:— *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— *इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

Attempt any five questions.
All questions carry equal marks.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Discuss the meaning, nature and scope of Private International Law. Explain the need of unification of Private International Law in the globalised world.

वैयक्तिक अन्तर्राष्ट्रीय कानून का अर्थ, प्रकृति तथा क्षेत्र का

P.T.O.

विवेचन कीजिये। सार्वभौमिक विश्व में वैयक्तिक अन्तर्राष्ट्रीय कानून को एकीकृत करने की आवश्यकता समझाइये।

2. What is the meaning of domicile? Differentiate between domicile of choice and domicile of origin.

Ascertain the domicile of A in the following cases. Give reasons.

(a) A continued to stay in Delhi on Swedish passport by seeking permission of Government of India for further stay at Delhi for a specified period.

(b) B was born in Lahore and was granted citizenship under Article 5 of the Constitution of India. B was having a son C who was born in India and was living in France, till he died. C's son A was born in France. C kept on writing to B that I will seek a job in India and would come back soon.

अधिवास का क्या अर्थ है? मूल अधिवास तथा चयनित अधिवास में विभेद कीजिये।

निम्नलिखित मामलों में A का अधिवास निश्चित कीजिये। कारण दीजिये।

(a) स्वीडन के पासपोर्ट पर दिल्ली आये A ने भारत सरकार से दिल्ली में नियत समय तक और रहने की अनुमति लेकर वहाँ रहना जारी रखा।

(b) B का जन्म लाहौर में हुआ और उसे भारत के संविधान के अनुच्छेद 5 के अन्तर्गत भारतीय नागरिकता प्रदान की गयी

थी। B का बेटा C भारत में जन्मा था और अपनी मृत्यु तक वह फ्रांस में रह रहा था। C के बेटे A का जन्म फ्रांस में हुआ था। C हमेशा B को लिखता था कि वह जल्दी ही वापिस आयेगा और भारत में नौकरी ढूँढेगा।

3. Explain proper law of contract with the help of judicial precedents.

न्यायिक पूर्वनिर्णयों की सहायता से यथोचित अनुबन्ध के कानून को समझाइए।

4. Discuss the rules of Private International Law relating to essential and formal validity of marriage with the help of judicial precedents.

न्यायिक पूर्वनिर्णयों की सहायता से विवाह की आवश्यक तथा औपचारिक वैधता के वैयक्तिक अन्तर्राष्ट्रीय कानून के नियमों का विवेचन कीजिये।

5. Discuss under what circumstances a foreign divorce judgement is recognised and enforced in India.

X, a female Hindu married Y, a male Hindu in accordance with Hindu rites. X and Y moved to New York after marriage. After three years of marriage X came back to India. Y moved to Michigan and stayed there for four months and filed a divorce petition in Michigan as the law of Michigan permitted the filing of divorce petition, if a person is *bona fide* resident of the State for 90 days. X sent the reply in protest. The

court of Michigan imparted the *exparte* decree of dissolution of marriage of Y on the ground of irretrievable breakdown of marriage. Y moved to New York after that. Elucidate with the help of decided cases whether Indian courts will recognise and enforce the divorce decree of Michigan court.

विदेशी विवाह-विच्छेद निर्णय भारत में किन परिस्थितियों में स्वीकृत और लागू किया जाता है? विवेचन कीजिए।

एक हिन्दू स्त्री X ने एक हिन्दू पुरूष Y से हिन्दू रीतियों से विवाह किया। विवाहोपरान्त X और Y न्यू यॉर्क चले गए। विवाह के तीन साल बाद X वापिस भारत आ गयी। Y मिशिगन चला गया और वहाँ चार महीने रहा। वहाँ उसने विवाह-विच्छेद का आवेदन किया क्योंकि मिशिगन के कानून के अनुसार कोई व्यक्ति मिशिगन राज्य में 90 दिन यथार्थ में रहने के पश्चात् विवाह-विच्छेद का आवेदन कर सकता है। X ने विरोध में अपना उत्तर भेजा। मिशिगन के न्यायालय ने एकतरफा निर्णय देकर विवाह-विच्छेद की डिक्री मंजूर कर दी विवाह के असुधार्य भंग होने के आधार पर। Y उसके बाद फिर न्यू यार्क चला गया। निर्णीत वादों की सहायता से विशदीकरण कीजिये कि मिशिगन के न्यायालय की विवाह-विच्छेद डिक्री को भारतीय न्यायालय मान्यता देकर लागू करेंगे या नहीं।

6. Explain the theories relating to choice of law in torts. What are the rules of private international law governing torts in India and UK? Elucidate with reference to decided cases.

अपकार के कानून के चुनाव के सिद्धान्तों को समझाइए। भारत तथा यू०के० में अपकार को संचालित करने वाले वैयक्तिक अन्तर्राष्ट्रीय कानून के नियम क्या हैं? निर्णीत वादों के सन्दर्भ में विश्लेषण कीजिए।

7. (a) Shahid, a Muslim male, domiciled in India married Susan, a Christain female domiciled in England. The marriage took place in England. After the marriage they settled down in Mumbai, India. Three years after the marriage the husband dissolved the marriage pronouncing Talaq according to Muslim Law in India. Examine whether the marriage between Shahid and Susan is validly dissolved. Decide applying the relevant rules of private international law. Refer to judicial decisions.

एक मुस्लिम पुरूष शाहिद, जिसका अधिवास भारत में है, ने एक इकाई स्त्री सूसन, जिसका अधिवास इंगलैण्ड में है, से विवाह किया। विवाह इंगलैण्ड में हुआ। विवाहोपरान्त वे भारत में, मुम्बई में रहने लगे। विवाह के तीन साल के बाद पति ने भारत के मुस्लिम कानून के अनुसार तलाक का उच्चारण करके विवाह-विच्छेद कर दिया। परीक्षण कीजिये क्या शाहिद और सूसन के विवाह का वैध विच्छेद हो गया है। वैयक्तिक अन्तर्राष्ट्रीय कानून के प्रासंगिक नियमों का प्रयोग करते हुये निर्णय कीजिए। न्यायिक निर्णयों का उल्लेख लीजिए।

(b) What are recommendations of Indian courts for safeguarding interests of Indian woman married to NRI where marriage has taken place in India and divorce has been granted by foreign court.

एक भारतीय स्त्री, जिसकी NRI से शादी भारत में हुयी और विवाह-विच्छेद विदेशी न्यायालय ने दिया, के हितों के संरक्षण के लिए भारतीय न्यायालयों में क्या सिफारिशें दी हैं?

8. Write short notes on any *two*:

(a) Law relating to inter-country adoption

(b) Characterisation and Renvoi

(c) Jurisdiction under rules of Private International Law.

किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

(a) अन्तर-देश दत्तक ग्रहण से सम्बन्धित कानून

(b) चरित्र-चित्रण और रेनवोई

(c) वैयक्तिक अन्तर्राष्ट्रीय कानून के नियमों में क्षेत्राधिकार।